हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्यः रु. - 2/-

वर्षः 2 | अंकः 4 | पृष्ठः 8 | शुक्रवार 08 जुलाई से 14 जुलाई 2022

अभी भीगती रहेगी मुंबई

अगले दो दिन तक भारी बारिश का अलर्ट

मुंबई समेत महाराष्ट्र में लगातार बारिश से हाल बेहाल है। लगातार तीसरे दिन यहां जमकर बारिश हुई और मौसम विभाग ने अभी 8 तारीख तक का अलर्ट जारी किया है। अभी मूसलाधार बारिश का सितम जारी रहेगा। इस बीच मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अधिकारियों को मॉनसून के दौरान सतर्क रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पूरी सरकारी मशीनरी को सुनिश्चित करना होगा कि मॉनसून के दौरान कोई जनहानि न हो। मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई हिस्सों में जबरदस्त बारिश से स्थिति बदहाल है। सड़कों पर कमर तक पानी भरा हुआ है और गड्ढे भी डूब गए हैं जिनसे जानलेवा हादसों का खतरा बना हुआ। वहीं कई जगह ट्रैफिक जाम में वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है। उधर मौसम विभाग ने 8 जुलाई तक हाई अलर्ट जारी किया है। गुरुवार को भी यहां बारिश की आशंका है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि गुजरात और महाराष्ट्र के तट के पास और पश्चिमी मध्य प्रदेश के ऊपर हवा का कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है जिसके कारण महाराष्ट्र और गुजरात में भारी बारिश हो सकती है। मुंबई में बारिश से

शिवसेना को मजबूत करने की तैयारी, आदित्य ठाकरे ने पार्टी की अगली कार्यवाई को रखा सीक्रेट

मुंबई/रोहिणी स्वामी. शिवसेना का ठाकरे धड़ा अभी भी एकनाथ शिंदे के हाथों अपने विधायकों को गंवाने के झटके से जूझ रहा है और ऐसे हालात में भी उसने एक ऐसा मोर्चा बनाने का फैसला किया है जो चुनौतियों का बहादुरी से सामना करने के लिए तैयार रहे. जब न्यूज18 ने पूर्व मंत्री और उद्धव ठाकरे के बेटे आदित्य ठाकरे से मुलाकात की, तो एक संक्षिप्त बातचीत के दौरान उन्होंने भरोसा जताया कि वे कैडर और नेताओं को वापस अपने खेमे में ले आएंगे.जब न्यूज18 ने आदित्य से एकनाथ शिंदे के विश्वास मत जीतने के बाद शिवसेना की योजनाओं के बारे में पूछा, तो युवा नेता ने कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है जो शिवसेना (उनका खेमा) को रोक सके. आदित्य ने न्यूज18 से अपनी अगली रणनीति का खुलासा नहीं करते हुए कहा कि पार्टी में सिर्फ बेहतर होगा. पार्टी के चुनाव चिह्न के लिए उनकी लड़ाई पर आदित्य थोड़ा रुके और विधानसभा परिसर से तेजी से बाहर निकलने से पहले कहा, धैर्य रखें. आदित्य ने साफ तौर पर से उनलोगों के खिलाफ अपनी लड़ाई तेज कर दी है जिन्होंने ह्रपीठ में छुरा घोंपाह्व और कभी भी अपने विचारों को सामने नहीं रखा. गौरतलब है कि पिछले महीने एकनाथ शिंदे ने शिवसेना के खिलाफ बगावत कर दी थी. पार्टी के अधिकतर विधायक उनके पाले में चले गए थे.

जिस वजह से उद्धव ठाकरे नीत महा विकास आघाड़ी सरकार गिर गई थी. पूर्व मंत्री ने मीडिया की मौजूदगी में शिवसेना के बागी नेताओं में से एक प्रकाश सुर्वे के साथ अपनी नाराजगी जाहिर की.

ऑपरेशन-लोटस के MP मॉडल ने छीनी उद्धव की कुर्सी

स्क्रिप्ट वही, सिर्फ बाड़ेबंदी की स्ट्रेटजी बदली; ठाकरे ने की कमलनाथ जैसी गलतियां...

मुंबईः मध्यप्रदेश में कांग्रेस सरकार के तख्तापलट का सियासी चैप्टर महाराष्ट्र में भी दोहराया गया।

साल 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ 22 विधायकों ने कांग्रेस से बगावत की थी। ठीक ऐसी ही बगावत शिवसेना के विधायकों ने की।

MP के विधायकों को भोपाल से बेंगलुरु शिफ्ट किया गया था। लेकिन महाराष्ट्र में विधायकों की बाड़ेबंदी की स्ट्रेटेजी में थोड़ा सा बदलाव किया गया। एकनाथ शिंदे ने विधायकों को लेकर सूरत में कैंप किया, बाद में विधायक गुवाहाटी (असम) शिफ्ट कर दिए गए। एमपी के मामले में सिंधिया गुट के विधायकों से मिलने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह बेंगलुरु पहुंचने में कामयाब हो गए थे।

यही वजह है कि शिंदे गुट को एक राज्य से दूसरे राज्य में शिफ्ट किया गया।सियासी खेल में इखढ ने जिस तरह टढ की कमलनाथ सरकार में अंदरूनी कलह का फायदा उठाया, ठीक इसी तरह उद्धव ठाकरे भी शिकार हुए।

ठाणे शहर में मौत के गड्ढे ने ली एक जान घोडबंदर रोड बाइकर की दर्दनाक मौत

ठाणेः मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में बारिश की वजह से हाहाकार मचा हुआ है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में जगह जगह पर जलजमाव की शिकायत सामने आ रही है। शहर के कई अहम रास्ते बारिश की वजह से तालाब में तब्दील हो चुके हैं। जुलाई महीने की शुरूआत में हुई इस बारिश ने बीएमसी के सभी दावों को झूठा साबित कर दिया है। बारिश की वजह से मुंबईकरों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। एक तरफ तालाब में तब्दील हुई सड़कों के बीच से होकर उन्हें गुजरना पड़ रहा है। वहीं कई जगह पर बरसाती पानी लोगों के घरों में दाखिल हो चुका है। बारिश की वजह से होने वाली दूसरी बड़ी समस्या सड़कों पर हुए जानलेवा गड्ढे। इन गड्ढों की वजह से ठाणे जिले में एक व्यक्ति की जान चली गई है।

मुंबई से सटे ठाणे शहर के घोड़बंदर रोड पर यह हादसा हुआ है। ठाणे महानगरपालिका के मुताबिक यह हादसा मंगलवार की सुबह तकरीबन 11 बजे के आसपास हुआ। जब मृतक मोहनीश (37) मुंबई की तरफ अपनी बाइक से जा रहा था। इसी दौरान वह अचानक इस मौत के गड्ढे में फंस गया और पीछे से आ रहा ट्रक उसके ऊपर चढ़ गया। इस हादसे में मोहनीश की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।महाराष्ट्र में इस बार की बरसात का यह पहला हादसा है। जब किसी वाहन चालक को ऐसे जानलेवा गड्ढों का शिकार होना पड़ा है। यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी मुंबई, ठाणे और नवी मुंबई जैसे जिलों में अक्सर बाइक सवार ऐसे जानलेवा गड्ढों का शिकार होते रहे हैं। कई बार गंभीर रूप से जख्मी होते हैं तो कई बार उन्हें अपनी जान तक गंवानी पड़ती है।

CM बनने के बाद पहली बार घर लौटे एकनाथ शिंदे तो खुशी से झूम उठीं पत्नी

बैंड बजाकर किया स्वागत

मुंबई. महाराष्ट्र में लंबे समय से चल रहा राजनीतिक गतिरोध थमने के बाद अब सियासी गलियारों में शांति छाई हुई है. हालांकि एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी जारी है. महाराष्ट्र में उठा-पटक के बाद नई सरकार का गठन हो गया, विधानसभा स्पीकर का चुनाव हो गया. इन सबके बीच एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार अपने घर पहुंचे. जहां उनकी पत्नी ने उनका जोरदार स्वागत किया. पत्नी लता ने बैंड बजाकर अपने पति सीएम एकनाथ शिंदे का स्वागत किया. इस दौरान वह काफी खुश नजर आ रही थीं. इस स्वागत कार्यक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. बता दें कि सीएम एकनाथ शिंदे करीब तीन सप्ताह से घर से बाहर रहे. मंगलवार को ठाणे स्थित अपने आवास पर पहुंचे. सीएम एकनाथ शिंदे रात को करीब साढ़े नौ बजे ठाणे में स्थित आनंद नगर के अपने घर पहुंचे. इस दौरान भारी संख्या में उनके प्रशंसक भी मौजूद थे. इस बीच भारी बारिश भी होती रही लेकिन उनके समर्थक डटे रहे. बता दें करीब तीन सप्ताह पूर्व एकनाथ शिंदे50 विधायकों के साथ शिवसेना से ही बगावत कर दी थी. शिंदे पहले विधायकों के साथ सूरत पहुंचे फिर वहां से असम की राजधानी गुवाहाटी पहुंचे और अंत में गोवा भी विधायकों के साथ रुके. इस दौरान महाराष्ट्र की राजनीति में खूब बयानबाजी हुई. आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला चला. इस दौरान बैठकों का दौर भी खूब चला. महा विकास अघाड़ी में शामिल शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस ने सरकार बचाने की पुरजोर कोशिश की. लेकिन सरकार बच नहीं पाई और अंत में उद्धव ठाकरे ने पहले सीएम पद से इस्तीफा दिया और फिर फ्लोर टेस्ट में शिंदे गुट ने भाजपा के समर्थन से सरकार बना लिया. वहीं समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, मंगलवार को उद्धव ठाकरे ने कहा कि एकनाथ शिंदे ने उनकी पीठ में छुरा भोंका. पार्टी कार्यकताओं को संबोधित करते हुए उद्धव ने कहा कि उन्होंने ह्यशिंदे को पार्टी की जिम्मेदारी दी थी. लेकिन उन्होंने मेरी ही पीठ में छुरा घोंप दिया. जबकि एनसीपी और शिवसेना ने मेरा साथ दिया. यह देखना दुखद है कि शिवसेना कार्यकताओं की वजह से जो (विधायक और मंत्री) जीते, उन्होंने सब कुछ हासिल करने के बाद उन्हें ही छोड़ दिया.ह्व लता शिंदे जब एकनाथ शिंदे से मिली थीं तो वह ऑटोरिक्शा चालक थे.

शरद पवार से मिलने पहुंचे बयानवीर संजय राउत, मीडिया के सवालों पर चुप्पी

बागियों के निशाने पर हैं सांसद

मुंबईः शिवसेना के बागी विधायकों ने मातोश्री की तरफ नरमी बरतनी के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। अपने बयान में उद्धव और आदित्य ठाकरे के प्रति सम्मान लेकिन, शिवसेना के बयानवीर राज्यसभा सांसद संजय राउत को एनसीपी का एजेंट करार दिया है। बागियों ने साफ कर दिया है कि राउत को साथ लेकर उद्धव ठाकरे से उनकी सुलह की राह बेहद कठिन है। इन संभावनाओं के बीच संजय राउत ने एनसीपी प्रमुख शरद पवार के घर जाकर उनसे मुलाकात की। हर वक्त अपने तीखे बयानों से सुर्खियां पाने वाले राउत ने इस बार मीडिया से दूरी बनाई।

उन्होंने सवालों पर चुप्पी साधी रखी। मीडिया के सवालों से कन्नी काटना दर्शाता है कि शिवसेना में भूचाल अभी बाकी है। शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। सीएम की कुर्सी जाने के बाद शिंदे गुट लगातार मजबूत हो रहा है . ो उद्धव सेना से पार्टी नेता लगातार टूट रहे हैं। इस वक्त उद्धव ठाकरे के सामने सबसे बड़ी चुनौती शिवसेना को एकजुट करने से पहले टूट को रोकना है।

वहीं, बागी विधायकों के संजय राउत को एनसीपी का एजेंट कहना और राउत को साइड करके ही बात करने के संकेत देना उद्धव के लिए बड़ी मुश्किल घड़ी है। संजय राउत ने गुरुवार को शरद पवार के घर जाकर उनसे मुलाकात की। दोनों के बीच क्या बातें हुई. इस बात खुलासा तो नहीं हुआ लेकिन, सूत्रों का कहना है कि दोनों के बीच शिष्टाचार भेंट हुई थी।

लेकिन, राउत का मीडिया के सवालों पर चुप्पी साधना बड़े सवाल पैदा करता है। बता दें कि शिवसेना के बागियों ने संजय राउत पर अपनी ही पार्टी के नेताओं की तुलना में एनसीपी प्रमुख शरद पवार के अधिक करीब होने का आरोप लगाया है। बागियों का दावा इसलिए भी रोचकता पैदा करता है

मुंबई में भारी बारिश ने रोकी ट्रेन और वाहनों की रफ्तार, NDRF अलर्ट पर, एकनाथ शिंदे ने लिया जायजा

मुंबई. मुंबई और इसके आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को भारी बारिश के कारण अनेक स्थानों पर जलभराव देखने को मिला, जिससे ट्रेन और वाहनों की आवाजाही धीमी हो गई. महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्थिति का जायजा लिया. मुख्यमंत्री ने राज्य प्रशासन के अधिकारियों को आवश्यक सावधानी बरतने समेत यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई जान-माल का नुकसान न हो. मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ग्रस्त इलाके से साढ़े तीन हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है. बरसात से महानगर में सामान्य जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और तत्काल राहत मिलती नजर नहीं आ रही.नगर निकाय के अधिकारियों ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले 24 घंटों में मुंबई और इसके उपनगरों में मध्यम से भारी बारिश की भविष्यवाणी की है, अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है. उन्होंने कहा कि द्वीप शहर (दक्षिण मुंबई) में सुबह आठ बजे समाप्त 24 घंटों की अवधि में औसतन 95.81 मिमी बारिश हुई, जबकि इसी अवधि के दौरान पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में क्रमशः 115.09 मिमी और 116.73 मिमी बारिश दर्ज की गई. बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अधिकारियों ने कहा कि सुबह आठ बजे से 11.30 बजे के बीच द्वीप शहर में औसतन 41 मिमी बारिश हुई, जबकि पूर्वी और पश्चिमी उपनगरों में क्रमशः 85 मिमी और 55 मिमी बारिश हुई.रेलवे सूत्रों ने कहा कि मुंबई की जीवन रेखा मानी जाने वाली उपनगरीय ट्रेन सेवाएं कुर्ला के पास पटरियों पर जलजमाव के कारण मध्य रेलवे (सीआर) के मुख्य और हार्बर कॉरिडोर पर प्रभावित हुईं. मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवाजी सुतार ने कहा कि मध्य रेलवे मार्ग के सायन, कुर्ला, तिलक नगर और वडाला क्षेत्रों में पटरियां पानी में डूब गईं. यात्रियों ने पड़ोसी नवी मुंबई में हार्बर लाइन पर पनवेल, खंडेश्वर और मानसरोवर स्टेशन में कुछ सबवे में गंभीर जल-जमाव की शिकायत की, जिससे उन्हें टखने तक पानी से गुजरना पड़ा. आईएमडी ने अगले चार दिनों में महाराष्ट्र के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जिसके बाद मुख्यमंत्री शिंदे ने राज्य प्रशासन के अधिकारियों को सावधानी बरतने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई जान-माल का नुकसान न हो.

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

भाजपा-युग के बड़े दावे

केंद्रीय गृहमंत्री एवं भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह का दावा है कि आगामी 30-40 साल तक भाजपा-युग ही रहेगा और भारत ह्यविश्व-गुरुह्ल बनेगा। हैदराबाद में भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में ह्यराजनीतिक प्रस्तावह्ल पेश करते हुए उन्होंने यह दावा किया। साफ मायने हैं कि इतने कालखंड के दौरान भाजपा की सत्ता ही रहेगी और वही देश की दिशा और दशा तय करती रहेगी। इसी दौरान कुछ विशेषज्ञों के आकलन भी सामने आए हैं कि प्रधानमंत्री मोदी, देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी के कार्यकालों को, पार कर नया मील-पत्थर स्थापित कर सकते हैं। यह तभी संभव है, जब प्रधानमंत्री मोदी 2031 के बाद भी पद पर बने रहें। बहुत दूर की संभावनाएं व्यक्त की जा रही हैं। ऐसा बहुत कुछ है, जो इनसान के नियंत्रण में नहीं है। दावे तो कुछ भी किए जा सकते हैं। फिलहाल 2024 के आम चुनाव निकटस्थ हैं। विश्लेषण उन्हीं के मद्देनजर किए जाने चाहिए। ह्यभांडगीरीह्ल या ह्यचारणगीरीह्ल पर कोई रोक नहीं है। दरअसल यह राजनीतिक एकाधिकार का वैसा दौर नहीं है, जो देश की आजादी के बाद कांग्रेस और नेहरू के हिस्से आया था। इंदिरा गांधी के दौर में कांग्रेस विभाजित हुई, लेकिन पार्टी के परंपरागत जनाधार ने ह्यइंदिरा कांग्रेसह्ल को ही असली कांग्रेस स्वीकार किया, नतीजतन जनादेश कांग्रेस के पक्ष में ही रहे। आज की कांग्रेस उसी दौर की पार्टी के अवशेष हैं। देश कांग्रेस-मुक्त होने के कगार पर है। सिर्फ दो राज्यों में उसकी सरकार है। विपक्ष तब बौना था, बंटा हुआ था, स्वीकृति बहुत सीमित थी और साझा गठबंधन के तब भी प्रयास किए गए थे। मुट्ठी भर सफलताएं मिलीं, लेकिन अस्थायी और अस्थिर साबित होती रहीं। यकीनन प्रधानमंत्री मोदी आज के राजनीतिक दौर में उतने ही ताकतवर और लोकप्रिय नेता हैं। देश के 18-20 राज्यों में भाजपा या उसके सहयोगी दलों की सरकारें हैं। मोदी की सफलता के चरमोत्कर्ष के बावजूद तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, केरल, छत्तीसगढ़, राजस्थान और पंजाब राज्यों में विपक्ष की सरकारें हैं। तमिलनाडु और केरल में तो भाजपा आज भी लगभग शून्य है। ये सभी ताकतवर राज्य हैं और उनके जनादेश के आधार भी भिन्न हैं, लेकिन वे राष्ट्रीय जनादेश को प्रभावित करने में सक्षम हैं। भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में यह लक्ष्य पारित किया गया है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी 350 सीटें जीतने के संकल्प के साथ उतरेगी। इनमें से कमोबेश 100 सीटें दक्षिण भारत के पांच राज्यों से जीतने का लक्ष्य तय किया गया है। हमें यह अतिशयोक्ति लगता है, क्योंकि ऐसे किसी मुद्दे की लहर के आसार तक नहीं हैं, जो भाजपा की झोली सीटों से लबालब भर दे। बहरहाल भाजपा की यह पुरानी परंपरा रही है कि वह बड़े और असंभव-से लक्ष्य तय करती है और फिर उन्हें हासिल करने के लिए नए वोट बैंक का जुगाड़ भी करती है। भाजपा का समंदर-सा काडर भी उसकी ताकत है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दलित, पिछड़े, ओबीसी, मुसलमानों के वंचित तबके (खासकर पसमांदा) और मुस्लिम महिलाओं में भाजपा के नए जनाधार तैयार किए गए हैं। कार्यकारिणी में भी तय किया गया है कि पार्टी मुसलमानों की बहुसंख्यक आबादी में भी पैठ बनाएगी और ह्यस्नेह-यात्राह्ल का आगाज किया जाएगा। कार्यकारिणी के भाषणों में ह्यआदिवासीह्ल का मुद्दा भी खूब गूंजता रहा।

गांवों में इंटरनेट का विकास

प्रधानमंत्री जी ने 30 जून को कहा है कि सरकार हर गांव को तेज गति वाला इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिए काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में प्रौद्योगिकी और सेवाओं के एक प्रमुख सप्लायर बॉश इंडिया के नए ह्यस्मार्टह्ल कैंपस का उद्घाटन किया था जिसे 800 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस बात में कोई भी दो राय नहीं रह गई है कि इंटरनेट गांवों के विकास की ताकत बन कर उभर रहा है। इस समय भारत में इंटरनेट यूजर्स की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। भारत में दिसंबर 2021 तक 64.6 करोड़ इंटरनेट यूजर थे। खास बात यह है कि भारत में शहरों के मुकाबले गांवों में इंटरनेट का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या 20 फीसदी ज्यादा है। यही नहीं, पिछले दो वर्षों में इंटरनेट का यूज करने वाली महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी की रफ्तार पुरुषों से ज्यादा रही है। डेटा और मार्केट रिसर्च करने वाली फर्म निल्सन के एक सर्वे में ये तथ्य सामने आए हैं। फर्म ने देशभर के 27900 घरों के 110000 सदस्यों को इस सर्वे में शामिल किया था। यह सर्वे सितंबर 2021 से दिसंबर 2021 तक किया गया। सर्वे के नतीजों के अनुसार भारत की 60 फीसदी ग्रामीण आबादी अब भी इंटरनेट का इस्तेमाल नहीं कर रही है। वहीं शहरी आबादी में से 59 फीसदी इंटरनेट का प्रयोग कर रहे हैं। शहरों में 29.4 करोड़ एक्टिव इंटरनेट यूजर्स हैं। इसी तरह से लाइव मिंट डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार 12 साल से अधिक उम्र के एक्टिव इंटरनेट यूजर्स की संख्या अब 59.2 करोड़ हो गई है। 2019 के मुकाबले इसमें 37 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। ग्रामीण इलाकों में एक्टिव यूजर्स 45 फीसदी बढ़े हैं तो शहरों में यह तेजी 28 फीसदी रही है। गांव और देहात में इंटरनेट यूजर्स में बढ़ोतरी आर्थिक विकास के लिए एक सकारात्मक संकेत है। इसी तरह यह सर्वे बताता है कि पिछले दो वर्षों में महिला इंटरनेट यूजर्स की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है तथा इस मामले में उन्होंने पुरुषों को पीछे छोड़ दिया है। दो सालों में इंटरनेट यूज करने वाली महिलाओं की संख्या में 61 फीसदी का उछाल आया है, जबकि पुरुषों की संख्या इस अवधि में केवल 24 फीसदी बढ़ी है। इसी सर्वे के अनुसार 90 फीसदी यूजर्स रोजाना इंटरनेट का इस्तेमाल करते हैं। 50 साल या इससे अधिक आयु के व्यक्ति भी इंटरनेट का यूज करने में पीछे नहीं हैं। सर्वे में शामिल इस आयु वर्ग के 81 फीसदी लोगों ने माना कि वे इंटरनेट का उपयोग करते हैं। इंटरनेट चलाने के लिए मोबाइल फोन का देश में सबसे ज्यादा इस्तेमाल हो रहा है। भारत में इंटरनेट का सबसे ज्यादा यूज सोशल नेटवर्किंग और चैटिंग के लिए होता ह वीडियो देखना और ऑनलाइन म्यूजिक सुनना भी इंटरनेट के टॉप 5 यूजेज में शामिल है।

भले ही गांवों में इंटरनेट का इस्तेमाल शहरों के मुकाबले 20 फीसदी ज्यादा होता हो, परंतु ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट के मामले में शहरी आबादी गांवों से आगे है। 20 से 39 साल के आयुवर्ग के दो-तिहाई शहरी लोग ऑनलाइन बैंकिंग का प्रयोग करते हैं। यह असमानता दूर करनी होगी। केंद्र सरकार हर गांव तक ब्राडबैंड सर्विसेज पहुंचाने के उद्देश्य से चल रही भारतनेट परियोजना को देश में डिजिटल असमानता को दूर करने और गांवों तक प्रशासनिक सेवाओं को पहुंचाने का सबसे बड़ा जरिया बता रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 फरवरी 2022 को आम बजट 2022-23 पर आयोजित एक वेबिनार में कहा था कि ब्रॉडबैंड न केवल गांवों में सुविधाएं प्रदान करेगा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कौशल प्राप्त युवाओं का एक बड़ा पूल भी तैयार करेगा। उनकी बात में दम है। यकीनन ब्रॉडबैंड इंटरनेट वाईफाई जैसी सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा क्षेत्र का विस्तार करने और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद करेगा। दरअसल भारत के लिए डिजिटल असमानता और प्रौद्योगिकी के जरिए शासन (टेक्नोलॉजी गवर्नेंस) एक बड़ी चुनौती बन गया है। विश्व आर्थिक मंच (वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम) द्वारा जनवरी 2022 में जारी ग्लोबल रिस्क रिपोर्ट 2022 ने सरकार की चिंता को और बढ़ा दिया है। इस रिपोर्ट में कहा गया कि भारत के लिए पांच बड़े खतरों में चौथा खतरा डिजिटल गवर्नेंस की असफलता और पांचवां बड़ा खतरा डिजिटल असमानता है। अंतरराज्यीय संबंधों में बिखराव को पहला, अर्थव्यवस्था पर कर्ज बढ़ने को दूसरा, युवाओं में आक्रोश को तीसरा बड़ा खतरा बताया गया। महत्त्वपूर्ण यह है कि अगर गांवों में डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ती है तो भारत दो बड़े खतरों को कम कर सकता है जिसमें टेक्नालॉजी गवर्नेंस और डिजिटल असमानता शामिल हैं। इस संदर्भ में 2011 में ही विश्व बैंक की एक स्टडी रिपोर्ट आई थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि 10 प्रतिशत ब्रॉडबैंड कनेक्शन बढ़ने से किसी भी अर्थव्यवस्था की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 1.5 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है। इस स्टडी को आधार बनाते हुए तत्कालीन केंद्र सरकार (यूपीए) ने राष्ट्रीय ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क (एनओएफएम) योजना की शुरूआत की। इसका मकसद देश की ढाई लाख ग्राम पंचायतों तक तेज गति का ब्रॉडबैंड नेटवर्क पहुंचाना था। 25 अक्तूबर 2011 को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इसे मंजूरी दी गई। तब कहा गया था कि इस योजना से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं को अतिरिक्त रोजगार, ई-एजुकेशन, ई-हेल्थ, ई-एग्री जैसी सुविधाएं मिलेंगी। इससे गांवों से शहरों की ओर पलायन कर रहे लोगों को भी रोका जाएगा।

इसके लिए 2012 में एक नया केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड (बीबीएनएल) का गठन किया गया। सहयोग की जिम्मेवारी रेलवे की दूरसंचार कंपनी रेलटेल और भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) को दी गई। लेकिन 2014 तक केवल 350 किमी ओएफसी बिछाई जा सकी। साल 2014 में सरकार बदली। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने परियोजना की स्थिति की जांच की और इसे भारतनेट के नाम से शुरू करने का फैसला लिया। इस योजना के तहत बीएसएनएल द्वारा जिलों में ब्लॉक स्तर पर बनाए गए एक्सचेंज से ग्राम पंचायत तक अंडरग्राउंड ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाए जाते हैं। हर ग्राम पंचायत भवन में सोलर पैनल, राउटर, मॉडम और जीपीओएन (गीगाबाइट पेसिव ऑप्टिकल नेटवर्क) उपकरण लगाए जाते हैं और 100 एमबीपीएस क्षमता की ब्रॉडबैंड सर्विस शुरू की जाती है। हर ग्राम पंचायत से पांच कनेक्शन सेवाएं देने वाले संस्थानों या विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर (वीएलई) को दिए जाते हैं।

राम मंदिर के पहले केस से निर्माण पूरा होने तक के सफर से रू-ब-रू करवाएगी ये खास डॉक्यूमेंट्री

अयोध्या: भगवान राम लला का मंदिर भव्य तरीके से बन रहा है. 1000 वर्षों तक मंदिर कैसे सुरक्षित रहे इसको लेकर के कई बड़ी कार्यदाई संस्था निर्माण कार्य में जुटी हैं. जिस पर कई वैज्ञानिकों की राय भी ली गई है. 500 वर्षों के मंदिर के इतिहास को जीवंत करने की तैयारी भी ट्रस्ट कर रहा है. हैदराबाद की संस्था प्रसार भारती के ओर से अब रामलला के मंदिर के संघर्षों के इतिहास को जीवंत करने का प्रयास किया जा रहा है. जिससे आगामी पीढ़ी रामलला के मंदिर निर्माण के लिए किए गए संघर्ष और बलिदान को समझ सके. 1528 से रामलला का मंदिर विवाद चल रहा था. इस दरमियान कई बार संघर्ष हुए बहुत से लोगों ने बलिदान दिया. अब वह सुखद दिन आ गया है जब मंदिर निर्माण शुरू हुआ है. ऐसे में आगामी

पीढ़ी रामलला के इतिहास को समझ सकें इसके लिए डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई जा रही है. हर एक पल जिसमें राम लला का भूमि पूजन, मंदिर निर्माण के लिए बनाए गए वैज्ञानिक पद्धति विशालकाय भूखंड पर बुनियाद, रिटेनिंग वॉल, रामलला के गर्भ ग्रह से पहले किए गए अनुष्ठान, मुख्यमंत्री के द्वारा की गई प्रथम शिला की पूजा को इस डॉक्यूमेंट्री में दिखाने की कोशिश की जाएगी. इस डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से ये बताया जाएगा कि कैसे मंदिर को लेकर संघर्ष हुआ और आराध्य के मंदिर निर्माण में किस प्रणाली का इस्तेमाल किया गया, कैसी तैयारियां की गईं. हालांकि डॉक्यूमेंट्री रिलीज मंदिर निर्माण के बाद होगी लेकिन उससे पहले भी फिल्म बनने के बाद उस पर अध्ययन किया जाएगा.श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने कहा कि फिलहाल मंदिर का निर्माण कार्य चल रहा है.

मंदिर के निर्माण का चित्र लोगों के सामने जाए तो उसके लिए पृष्ठभूमि भी चाहिए. ऐसी पृष्ठभूमि के साथ उस चित्र को लोगों के सामने ले जाना मंदिर का निर्माण और पृष्ठभूमि दोनों साथ साथ प्रदर्शित हो इसकी ही एक कोशिश की जा रही है. उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण पूरा होगा तो इतिहास के साथ फिल्म प्रदर्शित होगी ऐसा सोचा जा रहा है.

पीएम मोदी ने वाराणसी को दी 1700 करोड़ से ज्यादा की सौगात

वाराणसी: वाराणसी में शिक्षा नीति पर हो रहे समागम में पहुंचे पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा का मूल आधार शिक्षा को संकुचित दायरे से बाहर निकालना और 21वीं सदी के विचारों से जोड़ना है। हमारे देश में मेधा की कोई कमी नहीं रही है। दुर्भाग्य से ऐसी व्यवस्था बनाई गई थी, जिसमें पढ़ाई का मतलब केवल नौकरी ही माना गया था। गुलामी के समय अंग्रेजों ने ऐसी शिक्षा का विकास केवल अपने लिए एक सेवक बनाने के लिए किया था। आजादी के बाद थोड़ा बदलाव हुआ लेकिन ज्यादा रह गया। अंग्रेजों का बनाई व्यवस्था भारत की शिक्षा व्यवस्था नहीं थी। बनारस तो इसका जीवंत उदाहरण है। यहां ज्ञान और शिक्षा मल्टी आयामी थी।

राहुल गांधी का बयान तोड़-मरोड़ कर दिखाने के आरोपी एंकर हिरासत में

UP व छत्तीसगढ़ पुलिस भिड़ी

नई दिल्ली: कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी का बयान तोड़-मरोड़ कर दिखाने के मामले में पुलिस ने एक समाचार चैनल के एंकर को हिरासत में लिया है. मंगलवार की सुबह एक प्राइवेट न्यूज चैनल के एंकर को गिरफ्तार करने के लिए छत्तीसगढ़ पुलिस नोएडा पहुंची. एंकर की गिरफ्तारी को लेकर नोएडा पुलिस और छत्तीसगढ़ पुलिक की नोकझोंक के बीच फिलहाल नोएडा पुलिस एंकर रोहित रंजन को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. न्यूज एंकर रोहित रंजन पर आरोप है कि उन्होंने राहुल गांधी के एक बयान को तोड़-मरोड़ कर गलत संदर्भ में अपने शो में चलाया. छत्तीसगढ़ पुलिस के अधिकारी पत्रकार रोहित रंजन के खिलाफ पहले दर्ज एक प्राथमिकी के सिलसिले में उन्हें गिरफ्तार करने के लिए उनके आवास पर पहुंचे. इसके बाद पत्रकार ने आज सुबह ट्वीट किया, ह्यछत्तीसगढ़ पुलिस स्थानीय पुलिस को सूचित किए बिना मुझे गिरफ्तार करने के लिए मेरे घर के बाहर खड़ी है, क्या यह कानूनी है. इसके बाद गाजियाबाद पुलिस ने ट्वीट कर जवाबद दिया कि ह्यमामला स्थानीय पुलिस के संज्ञान में है, इंदिरापुरम पुलिस मौके पर है, नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी. अपर पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) रणविजय सिंह ने मंगलवार को बताया कि सेक्टर-16ए में स्थित बी आर वेंकटरमन ने थाना सेक्टर 20 में, संस्थान के एक वरिष्ठ प्रोड्यूसर और एक प्रशिक्षु प्रोड्यूसर के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई है. शिकायत के अनुसार, दोनों प्रोड्यूसर ने केरल के वायनाड में राहुल गांधी के कार्यालय में हुई तोड़फोड़ के बारे में दिए गए उनके (राहुल के) बयान को तोड़-मरोड़ कर चैनल पर प्रसारित कर दिया.

रणविजय सिंह ने बताया कि इस मामले में धारा 505 (2) के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है.

शरजील इमाम ने लगाए जेल में मारपीट के आरोप

बोला- मुझे आतंकवादी और देशद्रोही कहा गया

नई दिल्ली: दिल्ली दंगों में आरोपी शरजील इमाम ने अपनी जान को खतरा बताया है और इसी के चलते कड़कड़डूमा कोर्ट में अर्जी दाखिल की है. इस अर्जी पर 14 जुलाई को सुनवाई की जाएगी. शरजील इमाम की याचिका पर जेल अधिकारियों ने कहा कि हम उसके आरोपों की जांच करेंगे. शरजील ने अपनी याचिका में कहा कि जेल के सहायक अधीक्षक ने तलाशी की आड़ में आठ-दस लोगों के साथ तिहाड़ जेल में उनके सेल में प्रवेश किया और उनके साथ मारपीट की.याचिका में कहा गया है कि उपरोक्त तलाशी के दौरान, जब उसने अपने सामान की हिफाजत करने की कोशिश की तो याचिकाकर्ता की किताबें और कपड़े फेंक दिए

गए, हमला किया गया और उसे एक आतंकवादी और एक राष्ट्रविरोधी कहा गया. शरजील इमाम की याचिका पर जेल अधिकारियों ने कहा कि हम उसके आरोपों की जांच करेंगे. कोर्ट के सामने शरजील ने सहायक जेल अधीक्षक द्वारा उत्पीड़न व मारपीट का आरोप लगाया था. इसके साथ ही उसने कहा था कि आठ-नौ लोग तलाशी के नाम पर उसके सेल में घुस गए थे और उसके साथ मारपीट करने लगे थे.

शरजील ने आरोप लगाया कि हाल ही में जेल के सहायक अधीक्षक ने तलाशी की आड़ में आठ-दस लोगों के साथ तिहाड़ जेल में उनके सेल में प्रवेश किया और उनके साथ मारपीट करते हुए

कविता

कहै कबीर दीवाना-ओशो

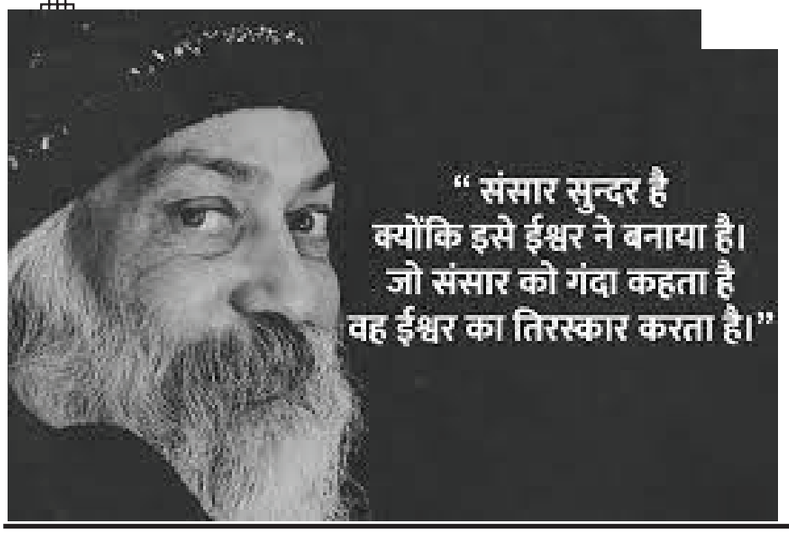

जैसे बीमारियां पकड़ती हैं, वैसे स्वास्थ्य भी पकड़ती है। और जैसे बीमारियां पकड़ती हैं और बीमारियों के कीटाणु होते हैं, वैसे ही स्वास्थ्य के भी कीटाणु होते हैं और वैसे ही परमात्मा की धुन भी पकड़ती है। क्योंकि वह परम स्वास्थ्य है। रामानंद के पास एक नई पुलक उठने लगी। एक नई पुकार! कोई दूर से बुलाता है। पहचाना नहीं, जाना नहीं, लेकिन हृदय आंदोलित होता है। प्रीति लागी तुम नाम की। अभी तुम्हारा कुछ पता नहीं। अभी सिर्फ नाम सुना है। वह भी रामानंद से सुना है। लेकिन रामानंद में ऐसा घट रहा है, कि भरोसा आ रहा है कि वह नाम जरूर किसी का होगा। उसकी खोज करनी पड़ेगी।बुद्ध से कोई पूछता कि क्या आपको सुन कर ज्ञान हो जाएगा? क्या आपको समझ कर ज्ञान हो जाएगा? बुद्ध कहते नहीं। बुद्धों को सुन कर तो केवल प्यास लगती है। ज्ञान तो परमात्मा के मिलने से होगा; सत्य के मिलने से होगा। **जारी...**

एक्ट्रेस भाग्यश्री ने शेयर की भिंडी की बेहद आसान और हेल्दी रेसिपी

बॉलीवुड एक्ट्रेस भाग्यश्री अपनी पहली ही फिल्म के बाद से लोगों के दिलों पर छा गईं. मैंने प्यार किया से लोगों के दिलों पर छाने वाली भाग्यश्री अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक्टिव रहती हैं. अपनी डेली रूटीन के अलावा भाग्यश्री फैंस की सेहत का भी ध्यान रखती हैं. शायद यही वजह है, जिसकी वजह से भाग्यश्री कभी वर्कआउट, कभी ब्यूटी तो कभी किचन टिप्स से जुड़ी बातें आती हैं.

53 साल की भाग्यश्री ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए भिंडी यानी ओकरा की रेसिपी शेयर की है. भिंडी का भुजिया आम तौर पर हम सभी के घरों में बनता है, लेकिन कई बार इसकी सब्जी या भुजिया देखने में चिपचिपी नजर आती है, जिसकी वजह से हम इसे खाना नहीं चाहते हैं. हम अपने रीडर्स के लिए भाग्यश्री की स्पेशल ओकरा की रेसिपी लेकर आए हैं. इस रेसिपी को बनाते हुए भाग्यश्री ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है. आइए जानते हैं इस डिश की रेसिपी.पौष्टिक गुणों से भरपूर है ओकरा

ओकरा यानी भिंडी में भरपूर मात्रा में विटामिन ए, विटामिन उ, फोलेट, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, आयरन, कॉपर, मैग्नीशियम के अलावा भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है. ये सभी मिलकर बॉडी की जरूरतों को पूरा करते हैं. इस सब्जी में वो सारे गुण है, जो आपके पेट को सेहतमंद रहने में मदद करता है. पैन में तेल डालकर गर्म करें. अब इसमें जीरा, प्याज, हरी मिर्च डालकर एक से दो मिनट तक चलाएं. फिर इसमें हींग डालें. अब भिंडी डालकर धीमी आंच पर पकाएं. बीच-बीच में सब्जी चलाएं, ताकि सब्जी जले नहीं. अब इसमें हल्दी, मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, अमचूर डालकर पकाएं। भिंडी उतनी ही पकाएं, जितनी आप पकाना चाहते हैं. कुछ लोगों को भिंडी हल्की कच्ची, जबकि कुछ को बिलकुल गली हुई पसंद आती है. अब गैस बंद कर दें. ध्यान रहे, सब्जी बनाते हुए नमक नहीं डालना है, वरना सब्जी चिपचिपी हो जाएगी.

दबंग-4 को निर्देशित करेंगे तिग्मांशु धूलिया

मुंबई। बॉलीवुड के जाने-माने निर्देशक तिग्मांशु धूलिया दबंग-4 को निर्देशित कर सकते हैं। सलमान खान अपनी फेमस फिल्म फ्रेंचाइजी दबंग की चौथी किश्त दबंग-4 लाने वाले हैं। चर्चा है कि इस फिल्म की स्क्रिप्ट तिग्मांशु लिख रहे हैं और वही इसका निर्देशन भी करेंगे। सलमान खान ने अपनी फिल्म अंतिम के प्रमोशन के दौरान इस बात का खुलासा किया था कि हमने दबंग 4 पर काम करना शुरू कर दिया है। 2022 के दिसंबर में हम इसकी शूटिंग शूरू करेंगे।सलमान खान ने ही तिग्मांशु को इस प्रोजेक्ट में लाने की पहल की थी। उनके हिसाब से तिग्मांशु इस फिल्म फ्रेंचाइजी के लिए सबसे आइडल पर्सन हैं, जो चुलबुल पांडे की कहानी में थ्रिल और एडवेंचर ला सकते हैं।

ऋतिक रोशन ने की रॉकेट्री: दि नांबी इफेक्ट की तारीफ

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रौशन ने आर माधवन की फिल्म रॉकेट्रीः दि नांबी इफेक्ट की तारीफ की है। आर माधवन की फिल्म हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। रॉकेट्रीः दि नांबी इफेक्ट इसरो के पूर्व रॉकेट साइंटिस्ट नांबी नारायणन के जीवन पर आधारित है। आर माधवन ने नांबी नारायणन का किरदार निभाया है।

यह पैन इंडिया फिल्म छह भाषा हिंदी, तमिल, तेलुगु, अंग्रेजी, मलयालय और कन्नड़ में रिलीज हुई है। फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस का भी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऋतिक रौशन ने सोशल मीडिया में पोस्ट शेयर कर फिल्म की तारीफ की है।

श्रीलंका क्रिकेट टीम में हुआ कोरोना विस्फोट, अवर के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले तीन खिलाड़ी पाए गए कोविड पॉजिटिव

नई दिल्ली: ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले श्रीलंका के खेमे से बुरी खबर सामने आई है। टीम के तीन खिलाड़ी धनंजया डी सिल्वा, जेफरी वेंडरसे और असिथा फर्नांडो दूसरे टेस्ट से पहले कोविड पॉजिटिव पाए गए हैं। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट 8 जुलाई (शुक्रवार) से गाले के गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू होना है।श्रीलंका क्रिकेट ने गुरुवार को कहा, ह्लकल किए गए रैपिड एंटीजन टेस्ट के दौरान तीनों खिलाड़ी पॉजिटिव पाए गए।ह्व ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को दस विकेट से हराकर पहला टेस्ट आराम से जीत लिया और दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से आगे है।

उपराष्ट्रपति चुनाव: विपक्ष का उम्मीदवार तलाशने के लिए कांग्रेस ने कसी कमर, जल्दी बुला सकती है बैठक

वसीम जाफर के बाद अब सुनील गावस्कर ऋषभ पंत के बल्लेबाजी क्रम में चाहते हैं बदलाव, कहा- गिलक्रिस्ट की तरह

श्रीलंका क्रिकेट टीम को पहले मैच में भी कोविड की वजह से दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। टीम के स्टार बल्लेबाज एंजलो मैथ्यूज दूसरे दिन कोविड पॉजिटिव पाए गए थे, जिसके बाद ओशादा फर्नांडो को उनकी जगह खेल के तीसरे दिन शामिल किया गया। हालांकि अच्छी खबर ये है कि मैथ्यूज कोविड से रिकवर कर गए हैं और वह दूसरे टेस्ट मैच में चयन के लिए उपलब्ध होंगे।

कोई भी खिलाड़ी कोविड पॉजिटिव पाया जाता है तो उसे पांच दिन आइसोलेशन में रहना होगा। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ ळ20क श्रृंखला 2-1 से जीती, जबकि मेजबान टीम ने 3-2 से सीरीज जीतकर डऊक्र ट्रॉफी पर कब्जा किया। ऑस्ट्रेलिया की नजर दूसरा टेस्ट और सीरीज जीत पर होगी।

विराट कोहली अब शायद ही रहें टी20 टीम का हिस्सा, उनकी फॉर्म पर होगी नजर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर का चौंकाने वाला बयान

नई दिल्ली: विराट कोहली का नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में बहुत बड़ा है, उनके बिना टीम इंडिया की कल्पना करना भी भारतीय क्रिकेट फैन्स को अजीब सा लगता है। भारत के पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर को लगता है कि विराट कोहली का भारतीय टी20 टीम में बने रहना तय नहीं है और अब उनकी फॉर्म पर भी चयनकर्ताओं की नजरें टिकी होंगी। दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी टी20 टीम के मिडिल ऑर्डर में अपनी जगह पक्की कर रहे हैं, ऐसे में विराट के लिए टी20 टीम में जगह बनाए रखना बहुत आसान नहीं होने वाला है।

जाफर ने ईएसपीएनक्रिकइंफो पर कहा, ह्यकोहली खेलते हैं और इसमें कोई शक नहीं है, लेकिन अब उनकी फॉर्म पर नजर रहेगी। उनका आईपीएल में स्ट्राइक रेट अच्छा नहीं रहा था। वह अपनी बेस्ट फॉर्म में नहीं हैं।

दीपक हूड्डा चयनकर्ताओं को विकल्प देते हैं, वह गेंदबाजी भी कर लेते हैं, ऐसे में उनके नाम पर विचार किया जा सकता है।वसीम जाफर ने आगे कहा, मैं कह चुका हूं कि विराट कोहली को कुछ मैच खेलने का मौका मिलेगा, और फिर शायद चयनकर्ता उनकी फॉर्म को लेकर फैसला लें। उनका रास्ता इसलिए मुश्किल है क्योंकि कुछ युवा खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया है। पिछले टी20 वर्ल्ड कप में उनका स्ट्राइक रेट और अप्रोच दोनों सवालों के घेरे में था। मुझे लगता है कि हमें हमेशा फ्यूचर के बारे में सोचते रहना चाहिए।

धोनी के बर्थडे पर विराट हुए इमोशनल, कहा- आप बड़े भाई जैसे और आप जैसा कोई नहीं

नई दिल्ली: टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अपना 41वां जन्मदिन मना रहे हैं। धोनी के 41वें बर्थडे पर पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एक इमोशनल पोस्ट शेयर की है। धोनी ने अपनी कप्तानी के दौरान विराट पर उस समय भरोसा दिखाया, जब वह खराब फॉर्म से जूझ रहे थे और उन पर टीम से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था। धोनी के इस भरोसे को विराट ने भी बेकार नहीं जाने दिया और जब फॉर्म में वापसी की, तो टीम इंडिया को कई सारी यादगार जीत दिलाई। विराट ने धोनी को जन्मदिन की बधाई दी है और दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली फोटो 2011 वर्ल्ड कप फाइनल मैच के बाद की है। जब धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया चैंपियन बनी थी। धोनी ने विराट को तिरंगे के साथ लपेटा हुआ है। दूसरी फोटो आईपीएल में उस समय की है, जब दोनों अपनी-अपनी टीम के कप्तान थे। विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की कप्तानी छोड़ चुके हैं, जबकि महेंद्र सिंह धोनी ने भी आईपीएल 2022 से पहले चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की कप्तानी छोड़ी थी, हालांकि बीच सीजन में उन्हें फिर से कप्तानी संभालनी पड़ी जब रविंद्र जडेजा ने कप्तानी वापस उन्हें सौंपने का फैसला लिया था।

महाराष्ट्र के कई जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट

मुंबई और ठाणे पर भी अगले 3 दिन भारी

मुंबईः मुंबई समेत महाराष्ट्र के कई इलाकों में बारिश का कहर जारी है। यहां लगातार छह दिनों से बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आगामी पांच दिन तक राज्य में मॉनसून के सर्वाधिक सक्रिय रहने का अनुमान लगाया है। इसका सबसे अधिक असर कोकण और मध्य महाराष्ट्र पर पड़ेगा। इस दौरान कोकण और मध्य महाराष्ट्र में भारी बारिश के साथ विदर्भ, मराठवाडा में भी तेज बारिश हो सकती है। रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में 9 जुलाई तक रेड अलर्ट जारी किया गया है वहीं पालघर, पुणे, कोल्हापुर और सतारा में 8 जुलाई तक रेड अलर्ट जारी किया गया है। मुंबई और ठाणे 10 जुलाई तक ऑरेंज अलर्ट पर हैं। आईएमडी ने मुंबई, ठाणे, पालघर और आसपास भी आगामी अगले कुछ दिन के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बुधवार को सांताक्रुज वेदर ब्यूरो में 193 एमएम और कोलाबा में 84 एमएम बारिश दर्ज की गई। इस मॉनसून सीजन में अब तक सांताक्रुज में कुल 926 एमएम और कोलाबा में 842 एमएम बारिश दर्ज की गई है।

मॉनसून के जोर पकड़ते ही तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। सांताक्रुज में अधिकतम तापमान 26.7 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि कोलाबा में अधिकतम 27 डिग्री और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस

तापमान दर्ज किया गया। कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात मूसलाधार बारिश से ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों तक की सड़कों पर चार-चार फीट पानी भर जाने से यातायात पूरी तरह ठप रहा। नदी-नाले उफान पर हैं और कई गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति देखने को मिली। बुधवार को सड़कों से ऑटो रिक्शे गायब रहे। इस वजह से लोगों को घुटने तक के पानी मे पैदल ही स्टेशन आना पड़ा। वसई-विरार के निचले इलाकों में भारी जलभराव से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दुकानों व घरों में पानी घुसने से लोगों का काफी नुकसान हुआ है। मनपा ने अधिक जलभराव वाले क्षेत्रों में पंप लगाए हैं।

लेकिन उससे भी कोई फायदा नहीं मिला। लगातार तेज बारिश की वजह से पानी कम नहीं हो रहा है। वसई, नालासोपारा व विरार की कई हाई प्रोफाइल सोसायटियों में दो-दो फीट पानी भर गया है। मुंबई में लगातार बारिश से कई इलाकों में पानी भरा है। बुधवार को बारिश की वजह से काम के सिलसिले में मुंबई आने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF
VACANCY VACANCY
ICON OPTICAL GALLERY
Urgently Required Female Staff
Accountant Cum Sales Girl For
Counter Sell.
Note : Must Have Computer Operating Knowledge
Contact Us : 9819292152
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053
murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more.....all under one roof
Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703
Farida Rampurawala : 8898065152

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवालाा के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल : newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net